Nai Dunia (Indore), 15th December 2021, Page-02

आइआइटी इंदौर

मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन और प्रदर्शनी 22 से,विज्ञान भारती के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्त्रबुद्धे आज देंगे जानकारी

विज्ञान सम्मेलन में शोध, विकास और स्टार्टअप पर विशेषज्ञ करेंगे मंथन

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर द्वारा 22 से 25 दिसंबर तक मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। आइआइटी इंदौर के अलावा सम्मेलन से अन्य शिक्षण संस्थानों को भी जोड़ा गया है। एसजीएसआइटीएस और अन्य निजी विश्वविद्यालय और कालेजों में भी सम्मेलन के तहत विशेष सत्र होंगे।

उद्योग मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा सहित कई मंत्री भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। विज्ञान सम्मेलन के तहत पोस्टर प्रदर्शनी श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) संस्थान में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम आफलाइन और आनलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित किया जाएगा। करीब एक हजार विद्यार्थी, शिक्षक और शोधकर्ता कार्यक्रम में शामिल होंगे। 23 दिसंबर को दोपहर दो बजे मध्यप्रदेश सरकार के इलेक्ट्रानिक्स एंड डेवलपमेंट कार्पोरेशन द्वारा विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा। इसी दिन दोपहर तीन बजे विज्ञान पर आधारित पोस्टर प्रदर्शित किए जाएंगे और नेटवर्किंग विषय पर संगोष्ठी होगी। विज्ञान सम्मेलन के तहत पोस्टर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। दोपहर चार बजे से पेनल डिस्कशन होगा। इसमें मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर इको सिस्टम क्षेत्र की संभावना को लेकर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे।

24 दिसंबर को 11.30 बजे केंद्र सरकार के मिनिस्ट्री आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इंफार्मेशन टेक्नोलाजी द्वारा विशेष सत्रों का आयोजन किया जाएगा। दोपहर दो बजे एकेडमिक और इंडस्ट्रीज के विशेषज्ञ शोध एवं विकास, स्टार्टअप और अन्य विषयों पर बात करेंगे। इसमें प्रदेश के शिक्षण संस्थान और उद्योग मिलकर कैसे ज्यादा बेहतर तरीके से काम कर सकते हैं, इस पर बात होगी। आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन का कहना है कि इसके अलावा भी कई कार्यक्रम होंगे। सभी विषय विज्ञान पर आधारित रहेंगे। विज्ञान सम्मेलन में आइआइटी इंदौर द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों को भी प्रस्तुति किया जाएगा।

आज जयंत सहस्त्रबुद्धे चर्चा करेंगे

आइआइटी इंदौर के प्रो. संतोष विश्वकर्मा का कहना है कि विज्ञान सम्मेलन के लिए कई दिनों से प्रदेशभर के शहरों और गांवों में जागरूकता अभियान चलाए गए हैं। पर्यावरण के लिए काम कर रहे चेतनसिंह सोलंकी भी लगातार विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर रहे हैं। उनके साथ भी विज्ञान सम्मेलन को जोड़ा गया था और विज्ञान के विभिन्न प्रोजेक्ट और पोस्टरों से लोगों को जागरूक किया गया है। कार्यक्रम की अधिक जानकारी 15 दिसंबर को पत्रकार वार्ता में दी जाएगी। इस दिन सम्मेलन के लिए पूर्वावलोकन का आयोजन भी किया जा रहा है। इसमें विज्ञान भारती के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्त्रबुद्धे, काउंसिल आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी (एमपीसीएसटी) के डायरेक्टर जनरल प्रो. अनिल कोठारी और एसजीएसआइटीएस के निदेशक प्रो. राकेश सक्सेना भी शामिल होंगे।

ई-वाहनों के प्रदर्शन और सुरक्षा को बेहतर करेगा आइआइटी इंदौर, सिंपल एनर्जी से समझौता

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर अब इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रदर्शन बेहतर करने के लिए भी काम करेगा। संस्थान इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उन्नत थर्मल प्रबंधन प्रणाली विकसित करेगा। बैटरी की सुरक्षा और अन्य तकनीकों के विकास के लिए भी शोध करेगा। आइआइटी इंदौर और बेंगलुरु की सिंपल एनर्जी के बीच इस संबंध में समझौता हुआ है।

आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन का कहना है कि संस्थान इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पहले से काम कर रहा है। हाल ही में इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित एमटेक कोर्स भी शुरू किया गया है। कंपनी के साथ समझौता होने से दोनों संस्थान मिलकर इलेक्ट्रिक वाहनों में नई तकनीक का आविष्कार करेंगे।

- **कई तरह के नए वाहन बनाए जा सकेंगे :** आइआइटी इंदौर के शोध एवं विकास विभाग के डीन आइए पलानी ने कहा कि इस समझौते से इलेक्ट्रिक वाहनों के शोध और विकास को बढ़ावा मिलेगा। ऐसे में सिंपल एनर्जी के अनुभव के साथ ही आइआइटी में उपलब्ध शोध प्रविधियों और सुविधाओं से उच्च गुणवत्तायुक्त सामग्री के साथ हल्के वाहनों के निर्माण में सहायता मिलेगी।
- **दोनों संस्थान मिलकर करेंगे शोध :** सिंपल एनर्जी के संस्थापक सुहास राजकुमार मानते हैं कि इलेक्ट्रिक स्कूटर कंपनियों को ग्राहकों की सुरक्षा के लिए नई तकनीक की जरूरत है। वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में थर्मल रनवे समस्या को दूर करने के लिए विकल्प की तलाश की जा रही है।